गोरखपुर से प्रकाशित

Title Code: UPBIL05289

स्वदेशी इनक्रेडिबल

द्विभाषी (साप्ताहिक)

वर्ष–1 अंक–2 | रविवार 2 जुलाई 2023 | पृष्ठ–8 | मूल्य–2 रुपया

छोटे उद्यमियों पर योगी सरकार मेहरबान, दिया बड़ा तोहफा

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश मे एमएसएमई सेक्टर को प्रोत्साहित कर रही योगी सरकार ने अब सूक्ष्म उद्यमियों को राहत देते हुए बड़ा निर्णय

लिया है। बुधवार को योगी मंत्रिपरिषद की बैठक में मुख्यमंत्री सूक्ष्म उद्यमी दुर्घटना बीमा योजना को मंजूरी दे दी गई है। इस योजना के माध्यम से अपरिहार्य परिस्थितियों में सूक्ष्म उद्यमियों को सहायता प्रदान की जा सकेगी। इसके अंतर्गत पात्र सूक्ष्म उद्यमी की दुर्घटना में मृत्यु होने या अपंगता पर 5 लाख रुपए तक का दावा किया जा सकेगा। प्रदेश में स्थापित कुल एमएसएमई इकाइयों का 15 प्रतिशत ही औपचारिक रूप से उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं और 85 प्रतिशत इकाइयां अनौपचारिक रूप से कार्यरत हैं। उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य न होने के कारण इन इकाइयों के आंकडे औपचारिक रूप से उपलब्ध नहीं होते हैं जिससे इस क्षेत्र का आर्थिक योगदान वास्तविक रूप से प्रदर्शित नहीं हो पाता। नीति निर्धारण में भी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। योगी सरकार ने सूक्ष्म उद्यमियों को राहत देने का निर्णय लिया है। मंत्रिपरिषद के निर्णयों की जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि मुख्यमंत्री सूक्ष्म उद्यमी दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत 18 से 60 वर्ष के सूक्ष्म श्रेणी के उद्यमियों द्वारा आवेदन किया जा सकता है। ऐसे सूक्ष्म उद्यमियों को आच्छादित किया जाएगा, जो जीएसटी विभाग के द्वारा संचालित व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना का लाभ पाने के पात्र नहीं हैं। योजना के अंतर्गत दुर्घटना के चलते यदि किसी सूक्ष्म उद्यमी की मृत्यु होती है तो उसके परिजनों को 5 लाख रुपए तक की आर्थिक मदद प्राप्त हो सकेगी।दुर्घटना में स्थाई अपंगता पर 5 लाख रुपए तक की आर्थिक मदद का प्राविधान है। आंशिक अपंगता पर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र में दिव्यांगता प्रतिशत के अनुसार राहत राशि प्राप्त होगी। दुर्घटना होने की दशा में पीडित के परिवार द्वारा ऑनलाइन व्यवस्था में आवेदन करने के बाद समस्त प्रपत्रों की एक प्रति संबंधित जिले के उपायुक्त उद्योग को प्रस्तुत की जाएगी।

रजिस्टर्ड सूक्ष्म उद्यमी की दुर्घटना होने की दशा में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उपायुक्त उद्योग से क्लेम धनराशि की संस्तुति प्राप्त होने क बाद निदेशालय स्तर से उद्यमी के नामित वारिस को बीमा की धनराशि डीबीटी के माध्यम से अधिकतम एक माह में उपलब्ध करा दी जाएगी।योगी मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश टाउनशिप नीति– 2023 को लागू किए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। उत्तर प्रदेश टाउनशिप नीति– 2023 लागू होने से निजी निवेश को बढावा मिलेगा। जन–सामान्य के लिए उचित मूल्य पर आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय दृष्टि से बेहतर गुणवत्ता वाली नागरिक सुविधाओं से युक्त अत्याधुनिक टाउनशिप की सुविधा उपलब्ध होगी। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में गुणवत्ता पूर्ण नागरिक सुविधाओं से युक्त आधुनिक टाउनशिप के विकास से जन सामान्य को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी। नगरों के सुनियोजित विकास को बढावा मिलेगा। साथ ही निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन में बढोत्तरी होगी।वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि योगी सरकार लगातार अर्बनाइजेशन को बढावा दे रही है। इसी कडी में यह निर्णय लिया गया है। डेवलपर और डेवलपमेंट अथॉरिटी दोनों की जिम्मेदारी तय की गई है। डेवलपर नियमों की अवहेलना करेंगे तो उन पर पेनाल्टी और संपत्ति का जब्तीकरण किया जा सकेगा। इसमें 10 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस एवं 10 प्रतिशत एलआईजी का भी प्राविधान होगा। निर्धारित भूमि की अनिवार्यता को 25 एकड से घटाकर सवा 12 एकड तक कर दिया गया है

यूपी में नई टाउनशिप नीति तैयार, जल्द जारी होगा शासनादेश : नितिन रमेश

गोरखपुर (जिला संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने नगरीय क्षेत्रों के सुनियोजित विकास के लिए नई टाउनशिप नीति– 2023 का निर्धारण किया है। इसके लिए जल्द ही

शासनादेश जारी होगा। नई टाउनशिप नीति से निजी पूंजी निवेश के माध्यम से प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों के विकास की योजना बनाई गई है।प्रदेश के अपर मुख्य सचिव आवास एवं शहरी नियोजन नितिन रमेश गोकर्ण ने बुधवार को बताया कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में निजी पूंजी निवेश के माध्यम से आवासीय योजनाओं के लिए पुनरीक्षित इन्टीग्रेटेड नीति, 2014 आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के शासनादेश 04 मार्च 2014 द्वारा लागू की गयी थी जिसमें शासनादेश 21 अक्टूबर 2021 द्वारा संशोधन किया गया था। प्रदेश में निवेश अनकूल माहौल को बढ़ावा दिये जाने एवं निजी निवेश के माध्यम से सुनियोजित नगरीय विकास को प्रोत्साहित करते हुए जन–सामान्य के लिए उचित मूल्य पर आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय दृष्टि से बेहतर गुणवत्ता वाली नागरिक सुविधाओं से युक्त अत्याधुनिक टाउनशिप का विकास किये जाने एवं बदलते परिवेश में निजी निवेशकर्ताओं को लैण्ड असेम्बली आदि सहायता एवं बेहतर इन्सेन्टिव्स उपलब्ध कराने हेतु उत्तर प्रदेश टाउनशिप नीति, 2023 लागू की जा रही है, जो कि शासनादेश निर्गत किये जाने की तिथि से प्रभावी होगी। टाउनशिप नीति लागू होने के उपरान्त शासनादेश 04 मार्च 2014 द्वारा लागू की गयी निजी पूंजी निवेश आधारित इंटीग्रेटेड टाउनशिप नीति– 2014 लाइसेन्स आधारित प्रणाली अवक्रमित हो जायेगी। उत्तर प्रदेश टाउनशिप नीति–2023 लागू होन से स्थावर सम्पदा के क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा। जन–सामान्य के लिए उचित मूल्य पर आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय दृष्टि से बेहतर गुणवत्ता वाली नागरिक सुविधाओं से युक्त अत्याधुनिक टाउनशिप की सुविधा उपलब्ध होगी। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में गुणवत्ता पूर्ण नागरिक सुविधाओं से युक्त आधुनिक टाउनशिप के विकास से जन सामान्य को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी। नगरों के सुनियोजित विकास को बढ़ावा मिलेगा, निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन में बढ़ोत्तरी होगी।

कांग्रेस तेलंगाना में बीआरएस के साथ नहीं करेगी गठबंधन : राहुल

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। तेलंगाना कांग्रेस नेताओं के साथ एक रणनीतिक

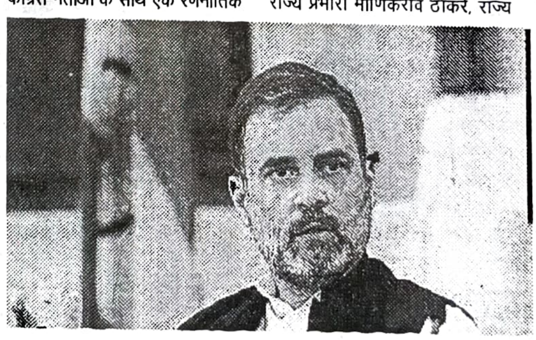

बैठक के दौरान, पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के साथ किसी भी तरह का गठबंधन नहीं करेगी क्योंकि यह भाजपा के साथ काम करती है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। कांग्रेस ने राज्य की रणनीति पर चर्चा करने के लिए मंगलवार को तेलंगाना के अपने नेताओं की बैठक बुलाई, जहां इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल, तेलंगाना राज्य प्रभारी माणिकराव ठाकरे, राज्य इकाई प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी, पूर्व सांसद रेणुका चौधरी और अन्य भी शामिल हुए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यहा पार्टी मुख्यालय में बैठक के दौरान राहुल गांधी काफी मुखर दिखे और उन्होंने कहा कि पार्टी राज्य में बीआरएस के साथ किसी भी तरह का गठबंधन नहीं करेगी। पार्टी सूत्र ने आगे बताया कि बैठक के दौरान राहुल गांधी ने यह भी कहा कि कोई कैसे सोच सकता है कि बीआरएस गठबंधन का हिस्सा हो सकता है क्योंकि वह भाजपा की टीम बी है। सूत्र ने कहा कि राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया कि कांग्रेस विधानसभा चुनाव में इस बात को उजागर करेगी कि बीआरएस और भाजपा राज्य में एक साथ कैसे काम कर रहे हैं। इस साल की शुरुआत में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में बीआरएस नेता के कविता द्वारा आयोजित गोलमेज बैठक में कांग्रेस ने हिस्सा नहीं लिया था। बीआरएस ने पिछले डेढ साल में केंद्र की कई बैठकों में भाग नहीं लिया है, लेकिन 24 जून को मणिपुर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में उसने भाग लिया। यहां तक कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के बेटे और राज्य मंत्री के.टी रामाराव ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य मंत्रियों से भी मुलाकात की। यहां कांग्रेस मुख्यालय में हुई बैठक में पूर्व मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव और पूर्व सांसद पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी सहित कम से कम 35 बीआरएस नेताओं के खडगे और राहुल गांधी से मुलाकात के बाद पार्टी में शामिल होने के एक दिन बाद हुई। पार्टी नेताओं के मुताबिक, राहुल गांधी अब 2 जुलाई को खम्मम में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

सम्पादकीय........

रिश्तों को ऊंचाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की हालिया राजकीय यात्रा को इस मायने में महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि इससे उद्योग व व्यापारिक रिश्तों को नये आयाम मिले हैं। दोनों देशों को एक-दूसरे की जरूरत का पता इस बात से चलता है कि पिछले एक दशक में दोनों देशों का व्यापार दुगना और तीन से ज्यादा हो गया है। जो न केवल दोनों देशों बल्कि वैश्विक आर्थिकी के भी अनुकूल है। दरअसल, अमेरिकी मदद से दोस्त से दानव बन अमेरिका को चुनौती दे रहे चीन का विकल्प अमेरिका भारत के रूप में देखता है। यही वजह है कि कुछ मतभेदों के बावजूद अमेरिका भारत को एक भरोसेमंद पार्टनर के रूप में देखता है। इस यात्रा को इस नजरिये से भी कामयाब माना जा सकता है कि जनरल इलेक्ट्रिक तथा हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के मध्य भारत में एफ 414 जेट इंजन निर्माण को लेकर समझौता अंजाम तक पहुंचा है। इन इंजनों का इस्तेमाल स्वदेशी व महत्वाकांक्षी तेजस युद्धक विमानों में किया जा सकेगा। वहीं चीन व पाक सीमा की चौकसी के लिये उन्नत किस्म के ड्रोन हासिल करने के लिये जनरल एटॉमिक्स के साथ करार पर हस्ताक्षर हुए हैं। निस्संदेह, मिसाइल ले जाने में सक्षम इन ड्रोन से चीन से लगती सीमा की सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला किया जा सकेगा। इसके अलावा अन्य महत्वपूर्ण समझौता सेमीकंडक्टर संयोजन व टेस्टिंग सुविधा को लेकर होना है, जिसमें अमेरिकी कंपनी सवा आठ सौ मिलियन डॉलर का निवेश करेगी। निस्संदेह, ये समझौते दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नये आयाम देंगे। साथ ही भारत आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ेगा और रोजगार के तमाम नये अवसर सृजित किये जा सकेंगे। प्रधानमंत्री से अमेरिका यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में अमेरिकी कारोबारियों, दुनिया की कई नामी कंपनियों के सीईओ की मुलाकात बताती है कि अमेरिका भारत को बड़े व्यापारिक साझेदार के रूप में देखता है। आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ इस यात्रा को दोनों देशों के संबंधों की यात्रा का मील का पत्थर बता रहे हैं। जिससे तकनीकी साझेदारी को नये आयाम मिलेंगे। वैसे अमेरिका एक विशुद्ध व्यापारी देश है और अपने आर्थिक हितों को लेकर किसी तरह का समझौता नहीं कर सकता है। ऐसे वक्त में जब अमेरिका में यह धारणा बलवती हुई है कि अमेरिका की मदद से ही चीन दुनिया में नंबर एक निर्यातक देश बना है। यानी दूसरे शब्दों में कहें तो अमेरिका के लिये चुनौती बन गया है। अमेरिका के एक वर्ग में यह चिंता है कि कहीं भारत भी अमेरिका के लिये चुनौती न बन जाये। हकीकत यह है कि भारत की हमेशा से नीति घरेलू विकास को तरजीह देने की रही है। यह स्थिति कम से कम आने वाले कुछ दशकों में बदलती नजर नहीं आ रही है। दूसरे, भारत एक लोकतांत्रिक देश है और लोकतांत्रिक मूल्यों में सदा से विश्वास करता रहा है। वैसे यह भी हकीकत है कि उथल-पुथल के दौर से गुजर रही वैश्विक व्यवस्था में अमेरिका भरोसेमंद साथियों की तलाश में है। दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाले देश भारत से ज्यादा मुफीद देश कोई दूसरा हो ही नहीं सकता जो अमेरिका के आर्थिक हितों को साधने में सहायक हो। देश में तेजी से हो रहे विकास का ही परिणाम है कि भारत आज ब्रिटेन को पछाड़कर पांचवीं बडी अर्थव्यवस्था बन गया है। ऐसे में विश्वास जताया जा रहा है कि कई तरह के मतभेदों के बावजूद दोनों देशों के कारोबारी रिश्तों को नये आयाम मिलेंगे। दरअसल, दोनों देश अपने आर्थिक व राजनीतिक हितों को लेकर संरक्षणवाद का सहारा लेते रहे हैं। इसके बावजूद विश्वास जताया जा रहा है कि दोनों देश किसी सीमा तक विवादों को टालने में सक्षम हो सकते हैं। इसके बावजूद कई अंतर्राष्ट्रीय मामलों में नीतियों को लेकर दोनों देशों में कतिपय मामलों में मतभेद रहे हैं। बहरहाल, इसे एक नई शुरुआत के रूप में देखा जाना चाहिए। वह भी तब जब हम दुनिया की सबसे बडी आबादी वाले देश हैं और बेरोजगारी की दर एक चुनौती बनी हुई है।

काशी राजपरिवार की पूर्व राजकुमारियों पर चोरी की एफआईआर

गोरखपुर (जिला संवाददाता)। वाराणसी के राजपरिवार में कुंवर और पूर्व राजकुमारियों के बीच संपत्ति विवाद थाने तक पहुंच गया। कुंवर अनंत नारायण सिंह ने अपनी बहनों पर ताला तोड़कर चोरी करने का आरोप लगाया है। रामनगर किले के सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार सिंह की शिकायत पर मंगलवार को केस दर्ज किया गया। इसमें पहले राजकुमारी विष्णु प्रिया, कृष्ण प्रिया और उनके दोनों बेटे वरद नारायण सिंह, वल्लभ नारायण सिंह को नामजद किया गया है। पूरे मामले में कृष्ण प्रिया ने पुलिस से कहा कि किले के कुछ कर्मचारी हम भाई-बहनों में झगड़ा कराने की साजिश कर रहे हैं। हम अपने ही घर में चोरी कैसे कर सकते हैं? रामनगर किले के सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार शर्मा ने शिकायत में लिखा है- 25 जून को सुबह 9 से 10 बजे के बीच किले की सुरक्षा व्यवस्था देख रहा था। तभी कर्मचारी कौशलेंद्र शर्मा ने बताया कि ड्योढ़ी कोट की तरफ कुंवर अनंत नारायण सिंह के एक कमरे का ताला तोड़कर जरूरी सामान चोरी कर लिया गया है कमरे से महत्वपूर्ण कागजात, फर्नीचर व बेड समेत कीमती सामान चोरी हो गया है।

मैं मौके पर पहुंचा, तो वहां ताला टूटा था। सभी सामान भी गायब था। मुझे जानकारी हुई कि विष्णु प्रिया और कृष्ण प्रिया के निर्देश पर वरद नारायण सिंह वल्लभ नारायण सिंह और उनके एक कर्मचारी ने ये सामान चोरी किया है। काशी नरेश विभूति नारायण के बेटे कुंवर अनंत सिंह के कमरे में चोरी कीएफआईआर दर्ज होते ही पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे। डीसीपी काशी जोन रामसेवक गौतम ने चोरी के आरोप के संबंध में छानबीन की। मौका मुआयना के साथ ही विष्णु प्रिया, कृष्ण प्रिया और कुंवर अनंत नारायण सिंह से मिलकर जानकारी ली। इस मामले में जहां एक तरफ कुंवर अनंत ने चोरी गए दस्तावेजों को महत्वपूर्ण बताते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस अफसरों के मुताबिक, कृष्ण प्रिया ने जांच के दौरान बताया कि किले के कुछ कर्मचारी हम भाई- बहनों को लड़ाने का काम कर रहे हैं। सामान चोरी के बारे में हम सोच भी नहीं सकते हैं। दोनों बेटे, शहर के बाहर थे। फिर भी उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। जांच करने के बाद ही पुलिस को मुकदमा लिखना चाहिए था। सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार को जब पुलिस जांच के लिए किले में पहुंची, तो कुंवर अनंत नारायण सिंह ने बताया कि बहनें रामनगर किले में ही रह रही हैं। एफआईआर। डॉ. विभूति नारायण सिंह ने तीनों बहनों की शादी के साथ ही उन्हें अवल संपत्तियां दी थीं। काशी नरेश की मृत्यु के बाद बहनों ने 2005 से संपत्ति विवाद को लेकर मुकदमेबाजी शुरू की। पूर्व काशी नरेश डॉ. विभूति नारायण सिंह के तीन बेटियां विष्णु प्रिया, हरि प्रिया, कृष्ण प्रिया और एक बेटे अनंत के बीच पिछले कई सालों से किले के अंदर और बाहर की संपत्ति को लेकर विवाद है। यह सभी अभी किला परिसर में ही रहते हैं। बहनें अपने भाई और उनके कर्मचारियों पर तानाशाही का आरोप लगाती रही हैं। 2018 में कंवर अनंत नारायण सिंह की ओर से काशी स्टेट के राजकीय चिह्न (मुहर) के दुरुपयोग को लेकर बहन हरि प्रिया के खिलाफ रामनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। हरि प्रिया ने अपने बेटे की शादी के कार्ड में काशी स्टेट का राजकीय चिह्न छपवाया था। इसको लेकर कुंवर अनंत नारायण ने तब कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें बताया था कि काशी स्टेट के राजकीय चिह्न का महाराजा ही इस्तेमाल कर सकता है। राजकीय चिह्न को ट्रेडमार्क के तौर पर उत्तराधिकारी होने के नाते रजिस्ट्रेशन करा रखा है। हमारी अनुमति के बगैर इसका उपयोग कोई नहीं कर सकता। तब उनकी कार्रवाई के बाद दूसरी बहन कृष्ण प्रिया ने भाई पर गंभीर आरोप लगाए थे। इसके अलावा 2021 में कोदोपुर में एक जमीन की रजिस्ट्री कर दिए जाने को लेकर विवाद हुआ था। तब काशीराज परिवार की बेटियां मौके पर काम रुकवाने के लिए गुहार लगाती रहीं। इसका वीडियो भी वायरल हुआ। उनकी तरफ से एक पंपलेट भी छपवाया गया था, जिसमें दुर्ग से जुड़ी किसी भी संपत्ति को न खरीदने की अपील की गई थी। काशी राज परिवार की बेटी विष्णु प्रिया की शादी के कुछ साल बाद तलाक हो गया था। तब से वह किले में ही रह रही थी। वह कई बार आरोप लगा चुकी हैं कि एफआईआर की मौत के बाद उनको किले से बाहर जाने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ-2 ने 96 वर्ष की उम्र में स्कॉटलैंड में आखिरी सांस ली। महारानी एलिजाबेथ-2 का काशी से भी खास लगाव रहा है। साल 1961 की जनवरी-फरवरी में भारत यात्रा के दौरान वह देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के साथ बनारस आई थीं। यहां उनका स्वागत काशी नरेश महाराजा विभूति नारायण सिंह ने किया था। हाथी पर चांदी के हौदे में महारानी एलिजाबेथ-2 को बैठा कर महाराजा विभूति नारायण सिंह ने रामनगर स्थित किले से पूरे शहर का भ्रमण कराया था। इसके साथ ही महारानी ने महाराज की बेंटले कार में भी सवारी की थी।

लालमणि हॉस्पिटल में फिर नवजात की मौत

सुल्तानपुर (जिला संवाददाता)। जिले का लालमणि हॉस्पिटल एक बार फिर सुर्खियों में है। हॉस्पिटल संचालक डॉ. आनंद सिंह पर नवजात के इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप है। लखनऊ में जीवन मौत से जूझते हुए आखिर एक मासूम ने दम तोड़ा तो परिवार वालों का आक्रोश बढ़ गया। परिवार वाले कार्रवाई की बात कह रहे हैं। पूर्व में भी कई एक मामले में इलाज में लापरवाही बरतने से जच्चा-बच्चा की मौत की खबर सामने आ चुकी है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली नगर के अमहट निवासी अली रहबर ने बीते शुक्रवार को पत्नी नेहा बानो को डिलीवरी के लिए कोतवाली देहात थाना अंतर्गत सौरमऊ में बने लालमणि हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। बताया जा रहा है कि शाम करीब 3.30 बजे प्रसूता नेहा ने ऑपरेशन से पुत्र का जन्म दिया। परिवार वालों ने बताया कि लड़का पैदा होते ही संचालक डॉक्टर आनंद सिंह ने बच्चे की थोडी तबीयत खराब होने की बात कहकर अस्पताल के एनआईसीयू में उसे रख दिया। डॉक्टर ने परिजनों को बच्चे से मिलने पर भी रोक लगा दी। प्रसूता नेहा के देवर फिरोज हैदर भी डॉक्टर हैं। रविवार को जब वे लालमणि हॉस्पिटल पहुंचे तो एनआईसीयू में बच्चे की हालत खराब देख वे दंग रह गए। उन्होंने डॉक्टर आनंद से बात की तब जाकर डॉक्टर ने उन्हें लखनऊ ले जाने की सलाह दी। आनन-फानन में परिवार वाले नवजात बच्चे को लेकर लखनऊ पहुंचे जहां सोमवार को इलाज के दौरान बच्चे ने दम तोड़ दिया। बच्चे की मौत की जानकारी लगते ही बच्चे की मां नेहा की तबीयत बिगड़ गई। फिर भी डॉक्टर आनंद सिंह ने नेहा बानो का कोई इलाज नहीं किया। जिस पर परिजन भड़क उठे। डॉक्टर आनंद सिंह पर गंभीर आरोप लगा डाला। परिवार वालों की मानें तो बच्चे की तबीयत खराब होने पर ही डॉक्टर को बताना था, तो पहले वे उसे लखनऊ ले जाते। लेकिन इनकी लापरवाही के चलते बच्चे की मौत हो गई और जच्चा की भी तबीयत बिगड़ गई।

सावन के सोमवार को वीआईपी और सुगम दर्शन बंद

वाराणसी। सावन के सोमवार को बाबा विश्वनाथ का स्पर्श दर्शन नहीं होगा। सोमवार को मंगला आरती को छोड़कर किसी भी आरती और सुगम दर्शन के टिकट नहीं काटे जाएंगे। यानी कि तत्काल दर्शन की सुविधा बंद होगी। मंगला आरती में शामिल होने के लिए 2000 रुपए का शुल्क जमा करना होगा। श्रद्धालु जिस रास्ते से मंदिर में प्रवेश करेंगे, उन्हें उसी रास्ते से वापस भेजा जाएगा। साथ ही गोदौलिया और मैदागिन की ओर से दोपहिया और 4 पहिया वाहन भी नहीं आ-जा सकेंगे। 4 जुलाई से शुरू हो रहे 2 महीने के श्रावण मास को लेकर श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने यह फैसला लिया है। मंगलवार को

देर शाम हुई बैठक में कमिश्नर कौशल राज शर्मा ने बताया, सभी विभागों को लेटर लिखकर टप्प दर्शन न करने की सूचना जारी करने का निर्देश दिया गया है। इसलिए, सभी अधिकारी दर्शन कराने की जगह श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्थाओं पर ध्यान रखेंगे। कमिश्नर ने कहा कि इस बार सावन करीब 2 महीने का है। ऐसे में देशभर से श्रद्धालु बाबा के दर्शन करने के लिए काशी पहुंचेंगे। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि गंगा की ओर से आने वाले दर्शनार्थियों को गर्भगृह के पूर्वी द्वार पर दर्शन मिलेगा। पुलिस कमिश्नर मुथा अशोक जैन ने कहा कि बैरिकेडिंग की व्यवस्था और पीएस सिस्टम की व्यवस्था सही तरीके से कराया जाए। दर्शनार्थियों के लिए पेयजल और घाट की तरह से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बैरिकेडिंग लगवाया जाए। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के लिए एक भक्त ने 120 किलो सोने का गुप्त दान किया है। यह भक्त दक्षिण भारत का रहने वाला है। गर्भगृह के अंदर और बाहर सोने के पत्तर लगाए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब काशी विश्वनाथ में पूजा की तो पहली बार गर्भगृह स्वर्ण जड़ित होने की तस्वीरें सामने आईं। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वर्ण मंडित गर्भगृह में पहली बार जलाभिषेक किया। वह खुद भी दीवारों और सीलिंग को देखकर चकित रह गए।

शिक्षक को हाईकोर्ट से मिलेगा न्याय

सुलतानपुर। जिले में भू–माफियाओं से डर कर एक शिक्षक ने डीएम–एसपी के जनता दर्शन में गुहार लगाया। मंत्री–सांसद सबसे न्याय मांगा, लेकिन दबंग भू–माफिया शिक्षक की जमीन पर स्लेप तक लगा बैठे। अंत में उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने मामले का संज्ञान लेते हुए डीएम–एसपी सुलतानपुर को 3 दिन का अल्टीमेटम दिया है।

जानकारी के मुताबिक, कोतवाली नगर अंतर्गत विनोबापुरी मोहल्ले में शिक्षक लाल चंद्र गुप्ता की जमीन पर जबरन दबंग द्वारा कब्जा करते जा रहे हैं। नींव की खुदाई से लेकर लेंटर डालने तक लगातार वे फरियाद करते रहे। वे मंगलवार को जिलाधिकारी जसजीत कौर और एसपी सोमेन वर्मा से मिलने पहुंचे। मुलाकात के दौरान आश्वासन और कार्रवाई का भरोसा दिया गया। राजस्व विभाग की रिपोर्ट के बावजूद अवैध निर्माण रोकने के प्रति अधिकारी संजीदा नहीं है। ऐसे में भू माफियाओं के हौसले बुलंद हैं और लगातार पीड़ित की जमीन पर अवैध निर्माण किया जा रहा है। लालचंद बताते हैं कि मेरी जमीन पर कब्जा हो रहा था। इस संदर्भ में मैं जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक आदि सभी से मिला। कोई अधिकारी ने हमारी मदद नहीं की। हमारे पक्ष में कोई कार्रवाई नहीं हुई। थक हार कर मैं ने हाईकोर्ट की शरण ली। तब हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए 3 दिन के भीतर प्रकरणों के निस्तारण का आदेश दिया था। राजस्व विभाग की रिपोर्ट में मेरी जमीन पर माफियाओं की तरफ से अवैध कब्जा पाया गया था।

डीएम–एसपी की तरफ से सुनवाई नहीं किए जाने से हर तरफ से मुझे निराशा हाथ लग रही है। उन्होंने बताया कि मैं डिप्टी सीएम केशव मौर्या और जिले के प्रभारी मंत्री आशीष पटेल सभी से मिलकर अपनी समस्या सुना चुका हूं। लेकिन कोई समाधान नहीं हो रहा है। अधिकारी मौखिक आदेश जारी करते हैं। निर्माण कार्य रोकने का जबकि निर्माण कार्य अवैध रूप से लगातार जारी है। नींव से लेकर छत निर्माण तक पूरा हो चुका है। हमें लग रहा है कि जैसे अधिकारी भूमाफिया से डरते हैं।

बाहुबली मुख्तार अंसारी को बड़ा झटका

बाराबंकी। बांदा जेल में बंद बाहुबली मुख्तार अंसारी को एक के बाद एक लगातार झटके लग रहे हैं। इसी क्रम मे अपर जिला जज अनिल कुमार शुक्ला ने मुख्तार अंसारी और बाकी सात आरोपियों की ओर से दाखिल पुनरीक्षण याचिका यानी रिवीजन याचिका प्रारंभिक सुनवाई के समय ही खारिज कर दी। दरअसल फर्जी एंबुलेंस और गैंगस्टर मामले मे एसीजेएम कोर्ट से तय आरोपों के विरोध में मुख्तार सहित आठ आरोपियों ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश की कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की थी। जिसको लेकर कोर्ट ने कहा है कि यह मामला सुनवाई के लायक ही नहीं है। इसलिए इसे खारिज किया जा रहा है। आपको बता दें कि माफिया मुख्तार अंसारी और उसके 12 साथियों को लेकर बाराबंकी की दो अदालतों एसीजेएम 19 और एमपी एमएलए कोर्ट में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर एंबुलेंस रजिस्टर्ड कराने और गैंगस्टर के मामले में सुनवाई चल रही है। दोनों ही मामलों में बीती 22 जून को हुई पेशी में चार्ज फ्रेम करने के बाद ट्रायल शुरू हो चुका है। 29 जून को गैंगस्टर और 4 जुलाई को एंबुलेंस मामले मे ट्रायल की अगली सुनवाई होनी है। जिला शासकीय अधिवक्ता राजेश पांडेय और आशीष शरण गुप्ता ने बताया कि अपर सीजेएम कोर्ट 19 विपिन यादव ने बीते 28 फरवरी 2023 को इसी को लेकर मुख्तार अंसारी समेत बाकी आरोपियों की अर्जी खारिज कर दी थी। इस फैसले के खिलाफ मुख्तार अंसारी समेत बाकी आरोपियों ने रिवीजन याचिका सेशन कोर्ट में दायर की थी। जिसे प्रारंभिक सुनवाई के बाद ही अपर जिला जज अनिल शुक्ला ने खारिज कर दी। मुख्तार अंसारी के वकील रणधीर सुमन ने बताया कि एंबुलेंस मामले की धारा 420, 419, 467, 471 में 8 लोगों ने जिला जज की अदालत में रिवीजन याचिका दाखिला किया गया था। जिसकी सुनवाई के बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार शुक्ला की कोर्ट ने पुनर्विचार याचिका निरस्त कर दी। वकील ने बताया कि जज की आपत्तियां ट्रायल का विषय है, अब मुकदमे में धारा 482 के तहत हाईकोर्ट में अपील की जाएगी।

महिलाओं ने डीएम ऑफिस में किया प्रदर्शन

सुल्तानपुर। जिले में महिलाओं ने कोतवाली देहात पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोला। थानाक्षेत्र के सलाहपुर गांव की दर्जन भर महिलाएं कलेक्ट्रेट पहुंची और धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने पुलिस पर गोकशी करने वालों पर संरक्षण देने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस जमीन विवाद का मामला बता रही है। थानाक्षेत्र के सलाहपुर चाचपारा गांव की महिलाएं डीएम कार्यालय के सामने पहुंची। महिलाओं ने बैनर लगाकर प्रदर्शन शुरू किया। गांव की महिलाओं ने देहात कोतवाल पर गंभीर आरोप लगाकर गोकशों को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार, महिला रीता देवी का पडधेस के आरपी गुप्ता से जमीन को लेकर विवाद महीने भर पहले शुरू हुआ था। इसी दौरान रीता की एक गाय रात में मर गयी। जिसके बाद महिला ने विपक्षी पर गोहत्या का आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज करने की तहरीर दी थी। मामले में पुलिस ने तहरीर की जांच की तो आरोप सही नहीं पान की बात बताई। जिससे मुकदमा नहीं दर्ज किया गया। करीब महीने भर बीतने पर महिला ने पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। महिलाएं देहात कोतवाल की बर्खास्तगी को मुद्दा बनाकर डीएम कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन करने लगीं। इस पूरे मामले को लेकर कोतवाली देहात के थानाध्यक्ष कृष्ण मोहन सिंह ने बताया कि आबादी की जमीन पर कब्जे के विवाद का मामला है। जिसको लेकर महिलाएं दबाव बना रही हैं। गौ संरक्षकों को संरक्षण देने का आरोप बेबुनियाद है।

आप के विचार

(बारी समाज की सबसे बड़ी समस्या)

अहम, अंहकार, एकता नही

अगर आप वही करोगे जो आजतक करते आए हो तो आपको वही मिलेगा जो आजतक मिलता आया है ।

हमे एकता चाहिए तो कुछ एक्स्ट्रा करना पड़ेगा या कुछ अलग करना पड़ेगा।

जिन्दगी हमे अहम,अंहकार, की वारंटी नही देती बल्कि नेक बनने की (Apportunity) अवसर देती है ।

'बारी समाज के लिए '

हो सके तो एक साथ चलना सीख यार
रिश्तो मे कुछ गरमाहट बांट यार
नीरस सी हो चली है जिंदगी बहुत
थोड़ी सी मुहब्बत बांट यार
जहाँ भी देखो नफरत पसरा है
थोड़ी सी रिश्तो मे प्यार बांट यार
सब भाग रहे है यूं ही एक दूजे के पीछे
सब एक साथ बैठ यार
जीने का अंदाज न जाने कहाँ खो गया
नफरत छोड़ प्यार मोहब्बत बांट यार
जिंदगी न बीत जाए लड़ते लड़ते
समाज को कुछ राहत बांट यार

स्वरचित रचना

दीपेन्द्र बारी वियार्थी
पुत्र श्री लालजी बारी वियार्थी
वाराणसी

अपने विचार को हमें Whatsapp पर भेजे।
Mob:- 7233999001

बीजेपी नेता अमित मालवीय के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। बीजेपी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय मुश्किलों में फंस गए है। उनके खिलाफ कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एफआईआर दर्ज की गई है। बीजेपी के आईटी सेल पर राहुल गांधी के खिलाफ विवादित ट्वीट करने के आरोप लगे हैं। बीजेपी नेता के खिलाफ कांग्रेस के पूर्व विधायक रमेश बाबू ने शिकायत की है। कांग्रेस नेता का आरोप है कि मालवीय ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर वैमनस्यता को बढ़ावा दिया और लोगों को उकसाने का काम किया। कांग्रेस नेता की शिकायत के बाद पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 153 ए, 120 बी, 505 (2), 34 के तहत मालवीय के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। बीजेपी नेता अमित मालवीय ने ट्वीट करते हुए लिखा था, 'राहुल गांधी खतरनाक हैं और वे प्रपंच कर रहे हैं तथा सैम पी जैसे लोग अधिक खतरनाक है जो 'रागा का राग अलाप रहे है। वे भारत के कट्टर विरोधी हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को शर्मिंदा करने के लिए विदेशों में भारत को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ दर्ज एफअरईआर पर कहा– जब भी बीजेपी को कानून की आंच झेलनी पड़ती है तो वे रोते हैं। उन्हें देश के कानून का पालन करने में समस्या है। मैं बीजेपी से पूछना चाहता हूं कि एफआईआर का कौन सा हिस्सा गलत है। हमने कानूनी राय लेने के बाद ऐसा किया है। अगर उनको दिक्कत है तो वह कोर्ट जा सकते है। कर्नाटक में बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा–उनके (अमित मालवीय) खिलाफ और भी एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। अगर कोई सच्चाई, तथ्यों, लोगों की छवियों और देश की प्रतिष्ठा के साथ खिलवाड़ करने के लिए जिम्मेदार है, तो वह बीजेपी आईटी सेल है। तेजस्वी सूर्या ने अमित मालवीय की एफ.आई.आर. को राजनीति से प्रेरित बताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि, अमित मालवीय के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर राजनीति से प्रेरित है। राहुल गांधी के खिलाफ उनके कथित बयान के लिए आईपीसी की धारा 153 ए और 505 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। हम इसे अदालत में चुनौती देंगे और न्याय सुनिश्चित करेंगे।

After outrage] TN governor Ravi puts his controversial order dismissing SenthilBalaji on hold

After facing a huge backlash] Tamil Nadu governor RN Ravi on Thursday withdrew his order dismissing SenthilBalaji from the council of ministers- Raj Bhavan*s order dismissing minister SenthilBalaji stands suspended and he will continue as a minister without portfolio in the cabinet-

Raj Bhavan sources confirmed that the order was "put on hold" by Ravi after the centre informed him about Tamil Nadu*s decision to challenge it in the Supreme Court- There were also strict instructions from the home ministry as to how his actions will create a backlash across the country for the ruling BJP and a huge constitutional crisis- Earlier Stalin had said that the DMK will take the legal route and fight Ravi*s order dismissing SenthilBalaji in the court-

Sources say that Ravi has been asked to consult the Attorney General and seek legal opinion- Article 164¼1½ of the constitution states that the chief minister shall be appointed by the governor and the council of ministers appointed by the governor on the advice of the chief minister- "The governor doesn*t have powers to sack a minister- After the outrage] it is said that he will take a legal opinion- He should have done this before sending out the order to dismiss SenthilBalaji]" says DMK spokesperson and advocate Saravanan Annadurai-

According to highly placed sources] late in the evening on Thursday] soon after the governor*s order] Stalin held talks with DMK Rajya Sabha MP P Wilson and a team of legal eÛperts about challenging Ravi*s order in the court-

However] Ravi*s actions and DMK*s idea of taking the legal route have once again ignited a debate on the constitutional provisions available before the governor and if he can get into a political territory which is not under his prowess- There is a line of rulings from the Supreme Court on the powers of the governor and it had interpreted that the power of the governor flows from the aid and advice of the council of ministers led by the chief minister-

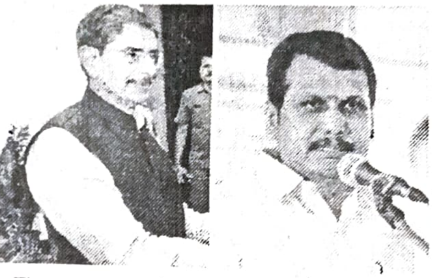

Article 75 of the Constitution] with regard to the removal of ministers] states that "the fact that each minister holds the office at the president*s pleasure indicates that his office is at all time at the Prime Minister*s disposal] for in these matters the president] like the King in England] acts on the advice of the prime minister- Moreover] for the effective realisation of the rule of collective responsibility of the Council of Ministers] it is necessary that no person should be nominated to the cabinet eÛcept on the advice of the Prime Minister-"

It may be recalled that the DMK has been voicing against the eÛtra&constitutional decisions taken by the governor since Ravi took charge in 2021- The governor and the government led by the DMK have been locking horns on various issues and two resolutions have been passed against the governor on the floor of the state assembly-

Earlier Balaji was arrested by the Enforcement Directorate for an alleged cash&for&job scam case registered in 2015- Balaji is currently in judicial custody] undergoing treatment after bypass surgery in a private hospital in Chennai- A court in Chennai had eÛtended his judicial custody till July 12-

Fire engulfs high&rise in United Arab Emirates

A fire tore through a high&rise residential building in the United Arab Emirates early Tuesday before being brought under control] according to videos circulating online-

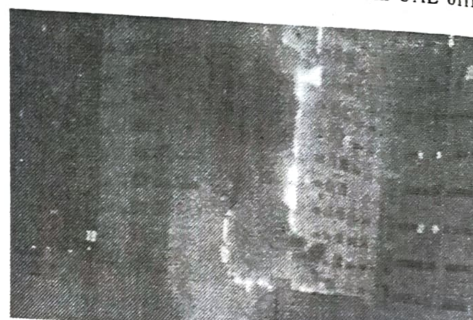

There were no immediate reports of injuries from the blaze in Ajman] one of the seven emirates that makes up the UAE] which also includes the futuristic cities of Dubai and Abu Dhabi-

The footage showed a corner of the building engulfed in flames reaching from the ground level to the top] with debris falling to the street below-

Ajman News] a local media outlet] later reported that the fire had been brought under control- Footage on its Instagram showed the blackened eÛterior of the building and firefighters on the street below-

There was no immediate comment from UAE officials-

The UAE has seen a number of similar fires in recent years that have been linked to flammable cladding on many of the country's ubiquitous high&rises-

On New Year's Eve in 2015] a blaze raced through an upscale hotel and residential compleÛ near the BurjKhalifa in Dubai] the world's tallest skyscraper- Some 15 people were injured in the fire and the evacuation- Dubai police ended up blaming eÛposed wiring for the blaze-

Regulations imposed after that fire call for all such cladding to be replaced with flame&resistant material-

US to send $500 million in weapons] military aid to Ukraine] officials say

The Pentagon will announce it is sending up to $500 million in military aid to Ukraine] including more than 50 heavily armored vehicles and an infusion of missiles for air defense systems] U-S- officials said Monday] as Ukrainian and Western leaders try to sort out the impact of the brief weekend insurrection in Russia-

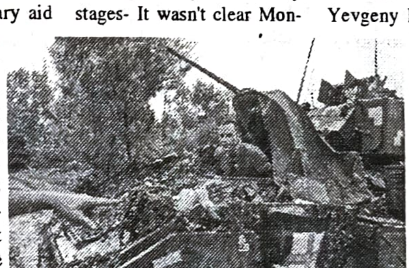

The aid is aimed at bolstering Ukraine's counteroffensive] which has been moving slowly in its early stages- It wasn't clear Monday if Ukrainian forces will be able to take advantage of the disarray in the Russian ranks] in the aftermath of the short&lived rebellion by Yevgeny Prigozhin and the Wagner mercenary group that he has controlled-

An announcement on the aid package is eÛpected Tuesday- This would be the 41st time since the Russian invasion into Ukraine in February 2022 that the U-S- has provided military weapons and equipment through presidential drawdown authority- The program allows the Pentagon to quickly take items from its own stocks and deliver them to Ukraine- Because the aid packages are generally planned in advance and recently included many of the same critical weapons for the battlefront] the contents weren't likely chosen based on the weekend rebellion-

But] the missiles and heavy vehicles can be used as Ukraine tries to capitalize on what has been a growing feud between the Wagner Group leader and Russia's military brass] with simmering questions about how many of Prigozhin's forces may leave the fight-

The mercenaries left Ukraine to seize a military headquarters in a southern Russian city and moved hundreds of miles toward Moscow before turning around after less than 24 hours on Saturday-

According to the officials] the U-S- will send 30 Bradley Fighting Vehicles and 25 of the armoured Stryker vehicles to Ukraine] along with missiles for the High&Mobility Artillery Rocket System ¼HIMARS½ and the Patriot air defense systems- The package will include a Javelin and high&speed anti&radiation ¼HARM½ missiles] demolition munitions] obstacle&clearing equipment and a wide range of artillery rounds and other ammunition-

CENTRAL PUBLIC SCHOOL Admissions Open
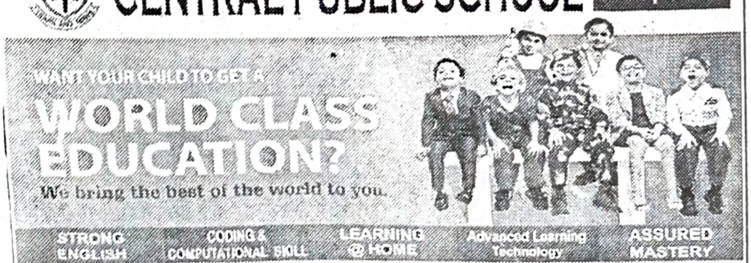

7380650385 Bapu Nagar, Pipraich, Gorakhpur, Uttar Pradesh

Pakistan protests Modi&Biden statement on cross&border terrorism; US reacts

In response to the India&US joint statement calling on Pakistan to ensure that its territory is not used for terror acts] Islamabad on Monday summoned the US embassy's deputy chief to voice its concern at the "unwarranted] one&sided and misleading references to it in the joint statement-" Pakistan had handed over a demarche to deputy chief of mission Andrew Schofer] urging the US to refrain from issuing statements that may be "construed as encouragement of India*s baseless and politically motivated narrative against Pakistan-" The statement by Pakistan's Foreign Office read: "It was also emphasised that counter &terrorism cooperation between Pakistan and US was progressing well and that an enabling environment centred around trust and understanding was imperative to further solidify Pakistan&US ties-" Islamabad's response came after India and the US issued a joint statement during Prime Minister Narendra Modi's US state visit- In the joint statement] President Biden and Prime Minister Modi reiterated the call for concerted action against all UN&listed terrorist groups including Al&Qa*ida] ISIS/Daesh] Lashkar e&Tayyiba ¼LeT½] Jaish &Mohammad ¼JeM½] and Hizb &ul& Mujhahideen- They also strongly condemned cross &border terrorism] the use of terrorist proÛies and called on Pakistan to take immediate action to ensure that no territory under its control is used for launching terrorist attacks- They called for the perpetrators of the 26/11 Mumbai and Pathankot attacks to be brought to justice- They also strongly condemned cross&border terrorism] the use of terrorist proÛies and called on Pakistan to take immediate action to ensure that no territory under its control is used for launching terrorist attacks- They called for the perpetrators of the 26/11 Mumbai and Pathankot attacks to be brought to justice-

However] "U-S- State Department spokesperson Matt Miller reacted to Pakistan's demarche during his daily news briefing- Miller said that while Pakistan had taken important steps to counter terrorist groups] Washington advocated for more to be done-

"At the same time] however] we have also been consistent on the importance of Pakistan continuing to take steps to permanently dismantle all terrorist groups] including Lashkar&e&Taiba ¼LeT½ and Jaish &e& Mohammad] and their various front organizations and we will raise the issue regularly with Pakistani officials]" he said- LeT is the group behind the 2008 Mumbai attacks which claimed over 160 people while Jaish &Mohammad claimed responsibility for the Pulwama 2019 bombing in Kashmir that killed 40 Indian paramilitary troops-

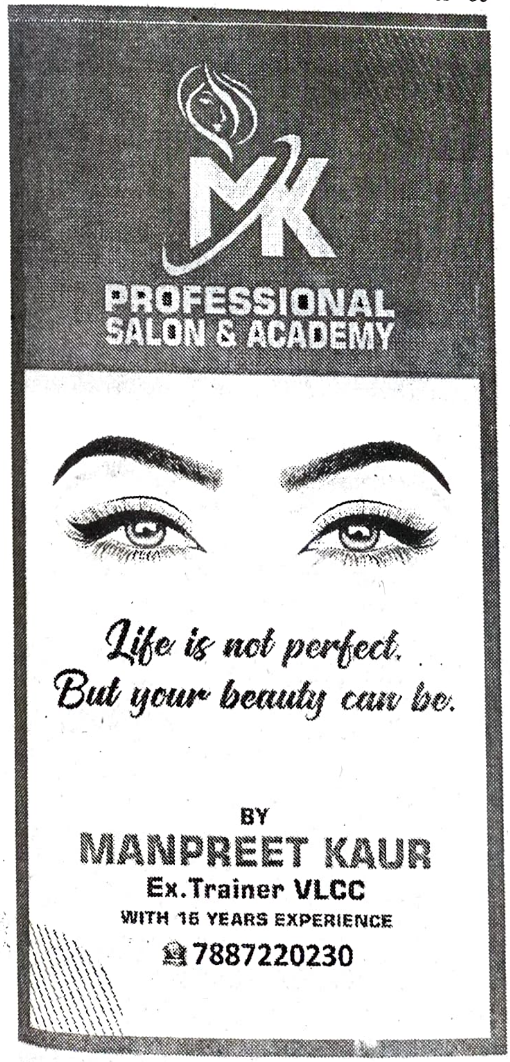

An AI street lighting system that can reduce electricity costs] malfunctioning delays

DESCRIPTION &It did not take JyotindraLillaney long to realise the importance of streetlights] but] at the same time] he was shocked by the amount of electricity wastage- A student from Aditya Birla World Academy] Lillaney dreams of a sustainable future] and he is dedicated to creating impact in the environment through technology- One of his sustainable ventures is Light Link] an automated smart street lighting system that uses solar panels] deep learning and an app to help the government cut down on electricity costs and malfunctioning delays-

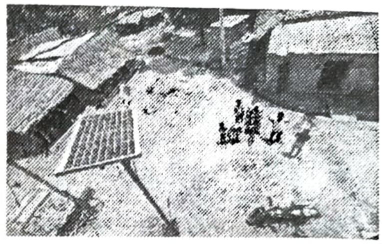

ÞThis idea stemmed from the fact that presently] the street lights are uneconomically used from 7pm in the evening to 6am the neÛt morning] each and every day- This makes them eÛtremely maintenance &heavy and costly for the government- Furthermore] the street lights do not have any varying levels of light intensity] rather only a binary on&off setting- In addition] the replacement of a faulty street light is a very tedious process] and does not take place unless of a citizen*s complaint]ß he said-

These smart street lights] accompanied by cameras with image processing capability] use deep learning to sense objects in the surrounding- This information] in addition to the amount of sunlight present in the surrounding] automatically controls whether that street light is switched on/off and if on] to what value of intensity it is set according to the number of vehicles detected and their distance from the street light- Each street light is powered by a self&orienting solar panel] which rotate in the direction of maÛimum sunlight- This process is also connected to a mobile app which displays all real&time information and street light statuses- In case of a malfunctioning street light] a notification is sent to the government with a location of the street light and details of the malfunctioning component- The government can then send technicians for quick repairs-

GQG] other foreign investors pour in $1 billion in Adani companies

DESCRIPTION &US&based boutique investment firm GQG Partners and other foreign investors have bought close to $1 billion of additional stakes in Adani Group companies as billionaire Gautam Adani continues to rebuild market confidence since hit by a damning report of a US short seller- The investors bought 18 million] or 1-6 per cent] from the Adani family in the group's flagship Adani Enterprises Ltd in a single block trade- In the renewable energy firm Adani Green Energy] a total of 35-2 million shares] or 2-2 per cent] changed hands] sources aware of the matter said-Stock market data showed large block trades in both companies in early Wednesday trading-The sources said foreign investors have purchased promoter stakes worth $500 million in each of the two companies-GQG Partners has been ramping up its investment in the conglomerate ever since Hindenburg Research in a bombshell report alleged accounting fraud and stock price manipulation at the Group] triggering a stock market rout that had erased about $150 billion in its market value at its lowest point-

Adani Group has denied all allegations by Hindenburg and is plotting a comeback strategy that includes recasting its ambitions] scrapping acquisitions] pre&paying debt to address concerns about its cash flows and borrowings] and scaling back its pace of spending on new projects-In March] promoters sold stakes worth Rs 15]446 crore ¼$1-87 billion½ in four group companies to GQG Partners- GQG ramped up that investment with an additional purchase of shares worth $400&500 million in May- GQG investments anchored the Adani group's recovery from the losses sparked by Hindenburg] though all 10 companies are still trading below the levels before the January 24 report- The sources said the block trade in Adani Enterprises was transacted at Rs 2]300] a premium to its closing price of Rs 2]281-75 on the BSE on Tuesday- For Adani Green] the trades were priced at Rs 920 to Rs 924-75] a discount to Tuesday's closing price of Rs 959-90-On Wednesday] Adani Enterprises closed 5-3 per cent higher at Rs 2]403-65 but Adani Green fell as much as 6-8 per cent before erasing most of its losses to trade 0-16 per cent lower at Rs 958-40-

अखिलेश से मिले पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह बाघेला

लखनऊ(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह बाघेला ने शिष्टाचार

भेंट की। दोनों के बीच राजनीतिक हालात पर चर्चा की। भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए विपक्षी एकता की सम्भावनाओं पर विचार विमर्श किया। बाघेला ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम है। भाजपा को यूपी में समाजवादी पार्टी ही चुनौती देगी। अखिलेश यादव ने मौजूदा महंगाई की हालत पर भाजपा सरकार को घेरते हुए कई सवाल उठाएं हैं। दोनों के बीच राजनीतिक हालात पर चर्चा की। भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए विपक्षी एकता की सम्भावनाओं पर विचार विमर्श किया। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि बढती महंगाई के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। जब से भाजपा सत्ता में आई है महंगाई आसमान छू रही है। आम जनता महगाई से त्रस्त और परेशान है। भाजपा सरकार को गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की कोई चिंता नहीं है। डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस के दाम बढ़ाकर सरकार ने जनता के घरेलू बजट को बिगाड़ दिया है। खाने पीने की चीजों के अलावा दूध के दाम भी बढ़ गए। बसों का किराया बढ़ा दिया गया। पढ़ाई–लिखाई महंगी हो गई है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार का बाजार पर कोई नियंत्रण नहीं है। महंगाई कम करने को लेकर भाजपा ने जनता से झूठे वादे किए। भाजपा सरकार की पूंजीपरस्त और गलत नीतियों के कारण महंगाई नियंत्रण से बाहर चली गयी है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में उसके कुछ पूंजीपति मित्रों को छोड़कर बाकी जनता संकट के दौर से गुजर रही है। आम आदमी को सामान्य जीवन जीने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। भाजपा सरकार में दाल, चावल, आटा, तेल और सब्जी सब कुछ महंगी हो गयी है। लोगों को दो वक्त की रोटी मिलना मुश्किल हो गया है लेकिन सरकार जनसरोकारों से पूरी तरह से आंख बंद कर बैठी है। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है। झूठे वादे कर सरकार में आयी भाजपा न महंगाई रोक पाई। न बेरोजगारी कम कर पायी है। अन्याय, अत्याचार बढ़ गया है। भाजपा सरकार में गरीब और मध्यम वर्ग बे–मौत मारा जा रहा है।

मिशन नन्द बाबा, किसानों को मिलेगी नई योजनाओं की सौगात : धर्मपाल

लखनऊ(संवाददाता)। प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि नन्द बाबा दुग्ध मिशन के तहत आगामी तीन माह में प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड में एक–एक नई

दुग्ध समितियों का गठन किया जाये और दुग्ध उत्पादकों को गाँव में ही उनके दूध के उचित मूल्य पर विक्रय की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने निर्देश दिये हैं कि 25 अच्छे नस्ल की देशी गायों की अत्याधुनिक गोवंशीय डेयरी फार्म सेन्टर आफ एक्सीलेन्स योजना बनायी जाए, जिससे छोटे एवं मध्यम किसानों और पशुपालकों को लाभ मिल सके, उनकी आय में वृद्धि हो और स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार का सृजन हो सके। धर्मपाल सिंह ने आज यहां विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में नन्द बाबा दुग्ध मिशन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नन्द बाबा दुग्ध मिशन प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के माध्यम से दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में क्रांतिकारी वृद्धि के साथ ही किसानों एवं पशुपालकों की आय में बढ़ोत्तरी होगी। इसलिए मिशन के कार्यों को पूर्ण करने में अधिकारी अपना शत–प्रतिशत योगदान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि लम्बे समय से निष्क्रिय दुग्ध समितियों का पुनर्जीवित करने के लिए उनका सर्वे कराकर चिन्हित किया जाए, ताकि उन्हें सक्रिय कर उपयोगी बनाया जा सके। धर्मपाल सिंह ने कहा कि नन्द बाबा दुग्ध मिशन एक ऐसा मिशन है जो पशुधन विकास और दुग्ध किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए आवश्यक है। इस मिशन की प्रेरणा लोक कल्याण संकल्प पत्र–2022 से ली गयी है एवं इसके अंतर्गत, प्रदेश के दुग्ध उत्पादन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए 1000 करोड़ रुपये की लागत से प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। मंत्री ने नन्द बाबा दुग्ध मिशन में विकासशील योजनाओं की समीक्षा की और स्वदेशी गौ–संवर्धन योजना और मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह मिशन मुख्यमंत्री द्वारा किसानों की आय दोगुना किये जाने के संकल्प को पूरा करने में भी अपना अहम योगदान देगा। बैठक में दुग्ध विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव डा0 रजनीश दुबे ने कहा कि नन्द बाबा दुग्ध मिशन एक नवाचारी मिशन है और इसका लक्ष्य है कि सभी किसानों विशेष रूप से सहायक, छोटे और मध्यम आकार के किसानों को लाभ पहुंचाया जाए, यह मिशन दुग्ध प्रसंस्करों को उच्च गुणवत्ता वाले दूध की उत्पादकता सुनिश्चित करके उन्नत करे नन्द बाबा दुग्ध मिशन महत्वपूर्ण उद्देश्यों की प्राप्ति के साथ–साथ किसानों के मार्जिनल, छोटे और मध्यम स्तर के सभी श्रेणी को लाभ पहुंचाने के लक्ष्यों को पूरा करेगा। इसके साथ ही, इस मिशन की योजनाओं से दुग्ध उत्पादकता बढ़ेगी और उच्च गुणवत्ता वाले दूध के उत्पादकों एव दूध प्रसंस्करणकर्ताओं को लाभ पहुंचेगा। बैठक में दुग्ध विकास आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने कहा कि "स्वदेशी गौ–संवर्धन योजना" में पशुपालकों का प्रदेश के बाहर से स्वदेशी नस्ल के दुधारू पशुओं की खरीदारी के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी और "मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना" में प्रगतिशील पशुपालकों को पुरस्कारों के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाता है बैठक में पीसीडीएफ के प्रबंध निदेशक कुणाल सिल्कू, विशेष सचिव राम सहाय यादव तथा दुग्ध विकास विभाग एवं पशुधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बच्चों के चेहरे पर सफेद दाग को ना करें नजरअंदाज, ये हो सकते हैं विटिलिगो के लक्षण

बच्चे की त्वचा बहुत नाजुक होती है, इसलिए इसकी सही देखमाल जरूरी है। कुछ बच्चों के चेहरे पर सफेद

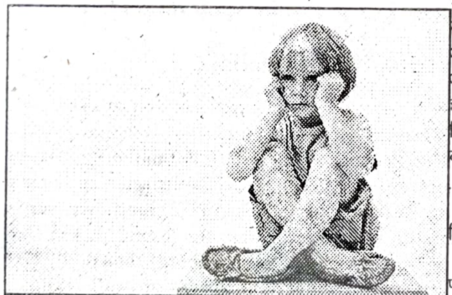

दाग देखने को मिलते हैं, जिसे पैरेंट्स सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन ये हल्के में लेने वाली चीज नहीं है। ये एक तरीके का स्किन प्रॉब्लम भी हो सकती है जिसे विटिलिगो कहा जाता है। इसे नजरअंदाज न करें क्योंकि ये दाग पूरे शरीर पर फैल जाते हैं इसलिए बेहतर होगा कि आप समय रहते ही अपने बच्चे का इलाज शुरू करवा दें। आइए आप बताते है विटिलिगो के बारे में...

क्या है विटिलिगो

त्वचा पर डिपिगमेंटेशन विटिलिगो हो सकता है, जो की मेलानोसाइट्स की कमी के चलते होता है। मेलानोसाइट्स वो कोशिकाएं होती है जो मेलानिन नामक त्वचा के पिगमेंट को बनाती हैं। विटिलिगो शरीर के हर हिस्से को प्रभावित करता है। इसमें होंठों पर डिपिगमेंटेशन और सफेद बाल होना शामिल है।

बच्चों में इस वजह से होता है विटिलिगो

इस स्किन प्रॉब्लम का कारण तो कभी तक पता नहीं चला है। लेकिन स्टडी के हिसाब से त्वचा को रंग देने वाले मेलानोसाइट्स की कमी या असक्रियता की वजह से त्वचा पर सफेद दाग पड़ जाते हैं। ये बीमारी वैसे तो किसी भी उम्र में हो सकती हैं, लेकिन बचपन में इसकी स्थिति ज्यादा पैदा हो जाती है।

विटिलिगो का पता कैसे चलता है

एक्सपर्ट्स वुड लैंप से स्किन की जांच करते हैं। थायराइड और डायबिटीज पीड़ित लोगों को सफेद दाग का खतरा ज्यादा होता है।

सफेद दाग का इलाज

इस स्किन प्रॉब्लम का वैसे तो कोई इलाज नही है। कई सारे व्हाइट स्किन पैचेज तो बिना किसी ट्रीटमेंट के गायब हो जाते हैं। वहीं आप घर पर भी इसका इलाज कर सकते हैं...

सनस्क्रीन

त्वचा को स्किन कैंसर से बचाने के लिए बच्चे को सनस्क्रीन जरूर लगाएं, क्योंकि सफेद दाग में मेलानिन नहीं होता है ये दाग धूप से टैन नही होते। किन धूप से ये जल सकते हैं और दाग पड सकता है।

कंसीलर

मार्केट में कई तरह के कंसीलर मौजूद हैं जो सफेद दाग को छिपाने में मदद करते हैं। आप डॉक्टर की सलाह पर इनका इस्तेमाल कर सकते हैं।

कॉर्टिकोस्टेरॉइड क्रीम

यह एक प्रकार की दवा है जिसे बीमारी की शुरूआत में ही सफेद दाग पर लगाया जाता है। इससे त्वचा की असली रंगत लाने में मदद मिल सकती है।

नोट– अगर आपको अपने बच्चे के शरीर में सफेद दाग दिखे तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं।

ग्रीन के कैच पर पोंटिंग ने कहा, सही फैसला किया गया

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के चौथे दिन भारत के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल का कैच लेते समय हरफनमौला कैमरून ग्रीन के हाथ से गेंद एक समय जमीन को छू गई थी लेकिन उन्होंने इस दौरान तीसरे अंपायर को सही फैसला लेने का श्रेय दिया। गिल जब 18 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे तब स्कॉट बोलैंड की गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर गली मे ग्रीन के बाईं ओर गई जिन्होंने जमीन से एक इंच ऊपर कैच लपका। ग्रीन इसके तुरंत बाद जश्न मनाने लगे। इस दौरान भारतीय सलामी बल्लेबाज क्रीज पर खड़ा रहा। तीसरे अंपायर रिचर्ड केटलबोरो ने इसके बाद गिल को आउट करार दिया। भारत के कप्तान रोहित शर्मा' ने निराशा में 'नहीं' चिल्लाया जबकि द ओवल के स्टैंड में चारों ओर 'धोखा, धोखा' के नारे लगे।

पोंटिंग ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, ''जब मैंने इसे लाइव देखा तो मुझे पता था कि गेंद उसके पास पहुंची है लेकिंन रीप्ले देखने के बाद मैं सुनिश्चित नहीं था कि क्या हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे असल में लगता है कि गेंद का कुछ हिस्सा जमीन को छू गया था और यह अंपायर को देखना है कि जमीन से छूने से पहले गेंद क्षेत्ररक्षक के नियंत्रण में थी तो बल्लेबाज आउट है।'' दिन का खेल खत्म होने के बाद ग्रीन ने कहा था कि उन्होंने कैच लिया था जबकि गिल ने इस फैसले पर नाराजगी जाहिर करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ मोहम्मद शमी भी इस फैसले की आलोचना करने वालों में शामिल रहे। उन्होंने कहा कि अंपायरों को विचार–विमर्श के लिए अधिक समय लेना चाहिए था क्योंकि यह डब्ल्यूटीसी फाइनल है। पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कोच जस्टिन लैंगर की राय से सहमति जताई कि इस फैसले पर मिश्रित राय होगी। उन्होंने कहा, ''यह जमीन से शायद छह या आठ इंच दूर था लेकिन इसके बाद कुछ और हुआ।'' पोंटिंग ने कहा, ''मुझे यकीन है कि इसके बारे में बहुत सारी बातें होंगी और ऑस्ट्रेलिया की तुलना में भारत में शायद अधिक बात होंगी, भारत में हर कोई सोचेगा कि यह आउट नहीं है और ऑस्ट्रेलिया में हर कोई सोचेगा कि यह आउट है।'' उन्होंने कहा, ''अगर इसे मैदान पर आउट दिया गया होता तो मुझे लगता है कि तीसरे अंपायर को उस फैसले को पलटने के लिए निर्णायक सबूत की जरूरत होती और मुझे नहीं लगता कि कोई निर्णायक सबूत होता।'' फाइनल से पहले खेलने की परिस्थितियों से हटाया गया 'सॉफ्ट सिग्नल' भारत के पक्ष में जा सकता था अगर मैदानी अंपायरों ने टीवी अंपायर का नॉट–आउट का संकेत दिया होता।

लेबनान को हराकर लगातार 9वीं बार एसएएफएफ चौंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा भारत

साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन (एसएएफएफ) चौंपियनशिप–2023 के सेमीफाइनल में भारत ने लेबनान को पेनल्टी शूटआउट में 4–2 से हरा दिया। यह लगातार 9वीं बार है जब 8 बार का चौंपियन भारत टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है और कुल मिलाकर भारत ने 12वीं बार फाइनल में प्रवेश किया है। 4 जुलाई को फाइनल में भारत का सामना कुवैत से होगा।

धोनी ने मुझे आउट करने के लिए गलत जगह पर लगाया फील्डर, मैंने उनसे पूछा क्यों? - वेंकटेश

केकेआर के वेंकटेश अय्यर ने बताया कि एमएस धोनी ने आईपीएल–2023 के दौरान उन्हें आउट करने के लिए एक फील्डर को श्गलत जगहश पर रखा था। बकौल वेंकटेश, वह शॉर्ट थर्ड मैन पर आउट हुए। अय्यर ने कहा, ष्मैच के बाद मैंने धोनी से पूछा श्क्यों?श उन्होंने कहा, श्जिस तरह से तुम खेल रहे थे, उसके लिए ऐसी फील्डिंग लगाईश।ॅ

डोनाल्ड ट्रंप पर पोर्न स्टार से जुड़े मामले में चलेगा केस, ५ प्वाइंट्स में जानें पूरा मामला

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रप की मुश्किलें बढ गई है. न्यूयॉर्क की ग्रैंड ज्यूरी ने बृहस्पतिवार को उन्हें 2016 के अभियान के दौरान पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स्स को मुंह बद रखने के लिए चुपके से पैसे देने का आरोपी ठहराया गया है. ट्रंप को अब इन आरोपों का कोर्ट में सामना करना पड़ेगा, भले ही वह दूसरी बार राष्ट्रपति पद के लिए प्रचार कर रहे हो. बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए हैं।डोनाल्ड ट्रंप रियल एस्टेट टाइकून हैं, जिनकी जुलाई 2006 में एक गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल से मुलाकात हुई थी. डेनियल्स्स उस समय 27 वर्ष की थीं और ट्रप 60 साल के. ये वो समय था, जब ट्रंप की तीसरी पत्नी मेलानिया ने बेटे बैरोन को लगभग चार महीने पहले जन्म दिया था. डेनियल ने 2018 में प्रकाशित अपनी किताब ष्फुल डिस्क्लोजरॅ में ट्रंप के साथ अपनी मुलाकात का जिक्र किया है

डेनियल्स्स ने अपनी किताब में कहा है कि ट्रप के एक बॉडी गार्ड ने उन्हें श्द अपरेंटिसश स्टार के साथ उनके पेंटहाउस में डिनर के लिए आमंत्रित किया था. इस दौरान वह सोच रही थीं– ष्ये मेरा अब तक का सबसे कम प्रभावशाली सेक्स संबंध हो सकता है.ॅ डेनियल्स्स ने ये बात अपनी किताब में लिखी है, जिसमें ट्रंप की शारीरिक रचना का एक अप्रभावी विवरण भी किया गया है।

अपने जिगर के टुकड़े से तीन वर्षों से दूर है भारतीय क्रिकेट टीम का गब्बर, अब जल्द मिलेगी राहत

भारतीय टीम के ओपनर और धाकड़ बल्लेबाज शिखर धवन हमेशा अपने चेहरे पर मुस्कुराहट के साथ मैदान पर उतरते हैं और अपने फैंस के बीच चर्चा में रहते है। इन दिनों शिखर धवन एक बार फिर से चर्चा में है। मगर ना ही वो कोई क्रिकेट टूर्नामेंट खेल रहे हैं और ना ही भारतीय टीम का वर्तमान में हिस्सा है। इस बार शिखर धवन अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में आ गए है। बीते

कई वर्षों से शिखर धवन ऐसी समस्या से जूझ रहे हैं, जो कोई पिता कभी नहीं चाहेगा। दरअसल ये सभी को मालूम है कि शिखर धवन और उनकी पत्नी आयशा मुखर्जी के बीच रिश्ते ठीक नहीं चल रहे है। दोनों ही लंबे अर्से से एक दूसरे से दूर रह रहे है। आयशा जहां ऑस्ट्रेलिया में रहती हैं और शिखर भारत में। वहीं दोनों का बेटा जोरावर भी अपनी मां के साथ ऑस्ट्रेलिया में ही रहते है। शिखर धवन और आयशा दोनों 2020 से अलग रह रहे हैं जबकि दोनों ने 2021 में तलाक का केस फाइल किया था। वहीं बता दें कि शिखर धवन की अपने बेटे जोरावर से वर्ष अगस्त 2020 के बाद से मुलाकात नहीं हुई है।

इस मामले पर दिल्ली की एक फैमली कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है, जिसके तहत फैमिली फंक्शंस में शिखर धवन के बेटे जोरावर को भारत लाया जाएगा और वो भी इस फंक्शन का हिस्सा बनेंगे। इस मामले में जस्टिस हरीश कुमार ने हैरानी जताते हुए जोरावर को भारत लाए जाने पर आपत्ति जताने के मामले पर नाखुशी भी जाहिर की। बता दें कि आयशा मुखर्जी ने जोरावर को भारत लाए जाने पर घोर आपत्ति जताई थी, जिसे लेकर कोर्ट ने सख्त रुख अख्तियार किया है। जानकारी के मुताबिक 17 जून को शिखर धवन के घर पर फंक्शन है। इस फंक्शन के लिए जोरावर को शामिल करने पर आयशा ने कहा था कि उस समय जोरावर के स्कूल होंगे और वो फंक्शन का हिस्सा नहीं बन सकेगा। हालांकि जोरावर को लेकर फंक्शन की तारीख बदली गई और अब कार्यक्रम एक जुलाई को किया जाएगा। आयशा ने कहा कि जोरावर शिखर के परिवार वालों के साथ सहज महसूस नहीं करेगा। वहीं इस मामले पर आयशा की हर दलील को खारिज करते हुए कोर्ट ने साफ किया है कि शिखर ने ना ही अपने बच्चे की कस्टडी मांगी है और ना ही उसे स्थायी तौर पर भारत लाने के लिए कहा है।

शिखर सिर्फ कुछ समय के लिए अपने बेटे के साथ रहना चाहते है जिसे जोरावर की मां को पूरा करना होगा। कोर्ट ने ये भी साफ किया है कि एक बच्चे पर अकेले मा का हक नही होता है। बता दें कि कोर्ट ने आयशा को कहा है कि वो 28 जून को अपने बेटे को शिखर धवन को सौंपेंगी जिसके बाद एक सप्ताह तक वो अपने पिता और उनके परिवार के साथ रहेगा। कोर्ट ने ये भी कहा है कि जोरावर को ऑस्ट्रेलिया से लाने और वापस ले जाने का पूरा खर्चा भी शिखर धवन को ही वहन करना होगा।

राज्यपाल से मिले सिटी इंटरनेशनल स्कूल बालागंज लखनऊ के विद्यार्थी

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल से राजभवन मे सिटी इंटरनेशनल स्कूल, बालागंज, लखनऊ के विद्यार्थियों ने मुलाकात की। इस अवसर पर राज्यपाल जी ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा स्कूल प्रबंधन को बच्चो को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ अन्य सामाजिक सरोकारों से जुड़ी गतिविधियों मे भी शामिल करना चाहिए। उन्होने कहा बच्चे केवल होम वर्क पर ही आश्रित न रहें बल्कि उनकी सहभागिता वृक्षारोपण, स्वच्छता, जल संरक्षण तथा विभिन्न प्रकार के हुनर से जुड़ी गतिविधिया मे भी होनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में 5वीं क्लास तक की शिक्षा मातृभाषा में देने की व्यवस्था है। क्योंकि कोई भी व्यक्ति जितनी अच्छी तरह से अपनी मातृभाषा मे समझ सकता है उतना किसी अन्य भाषा मे नही। उन्होंने कहा कि छठी क्लास से बच्चों को उनकी रूचि के अनुसार कुटीर उद्योग, खेती–किसानी, वृक्षारोपण, संगीत, पेंटिग, योग आदि की शिक्षा भी देनी चाहिए। क्योंकि नई शिक्षा नीति रूचिपूर्ण शिक्षा पर बल देती है। राज्यपाल ने शिक्षकों से कहा कि वे

विद्यार्थियों को अपनी व्यवस्थित दिनचर्या की भी शिक्षा दें तथा सेवाभाव सिखायें ताकि वे अपना कार्य स्वय करें और अपने माता–पिता के कार्यों में भी सहयोगी बनें। सिटी इंटरनेशनल स्कूल के प्रबन्धक शहाब हैदर ने राज्यपाल को बताया कि बालागंज शाखा ने अपनी स्थापना के 10 उत्कृष्ट वर्ष पूरे कर लिये हैं। इस दौरान छात्रों ने विभिन्न वैश्विक मुद्दों जैसे ग्लोबल वार्मिंग, बाघ संरक्षण, पक्षी संरक्षण, वृक्षारोपण जैसे कार्यों में सक्रिय भाग लिया है और विद्यालय उन्हें भविष्य के समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिये तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा मेरा दृढ विश्वास है कि हर बच्चे में एक महान व्यक्ति बनने की क्षमता है जो दुनिया में कुछ भी कर सकता है। इसलिए हम बच्चों को बेहतर प्रदर्शन प्रदान कर उनमें सर्वश्रेष्ठ लाने का पूरा प्रयास करते है। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों ने राज्यपाल के साथ अपने अनुभव भी बांटे। कक्षा 8 की वर्णिका गुप्ता ने बताया कि उन्होंने किस तरह से एक पर्यावरण कार्यकर्ता के रूप में कार्य किया है। उनका लक्ष्य व्यापक स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन लाना है। कुमारी अराध्या ने बताया कि भ्रमण पर बॉटेनिकल गार्डेन का भ्रमण करने के बाद उन्हें पौधों की विविधता के बारे में ज्ञान हुआ और उनकी रूचि वृक्षारोपण एवं पौधों के संरक्षण में बढी। इस अवसर पर सिटी इंटरनेशनल स्कूल के बच्चे, शिक्षकगण तथा प्रधानाचार्य मौजूद थे।

भीम आर्मी चीफ चन्द्रशेखर रावण पर जानलेवा हमला, बाल- बाल बचे चन्द्रशेखर

सहारनपुर। भीम आर्मी चीफ चन्द्रशेखर रावण पर अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से हमला बोल दिया है। बताया जा रहा है कि चन्द्रशेखर

इस हमले में गंभीर रुप से घायल हो गए है। फिलहाल पुलिस ने उन्हे इलाज के लिए अस्तपताल में भर्ती कराया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक हमलावार हरियाणा नंबर की कार से आए थे। बताया जा रहा है कि अचानक से हमलावारों ने चंद्रशेखर आजाद पर फायरिंग कर दी। छर्रे लगने से कार के शीशे भी टूटे गए है। हालांकि अभी इस मामले में पुलिस की तरफ से कोई भी बयान नहीं जारी किया है। आजाद समाज पार्टी ने इस बारे में ट्वीट कर लिखा है कि– सहारनपुर के देवबंद में भीम आर्मी चीफ और राष्ट्रीय अध्यक्ष भाई चंद्रशेखर आजाद पर जानलेवा हमला बहुजन मिशन मूवमेंट को रोकने का कायराना कृत्य है! आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, सख्त कार्रवाई और राष्ट्रीय अध्यक्ष भाई चंद्रशेखर आजाद सुरक्षा की मांग करते हैं!

परियोजनाओं में हो उच्च गुणवत्ता एवं समयबद्धता का अनुपालन : जयवीर

लखनऊ(संवाददाता)। प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को बढावा देने के लिए राज्य सेक्टर के अंतर्गत विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं द्वारा 693 परियोजनाए क्रियान्वित की जा रही हैं, जिनमें से अब तक 275 परियोजनाओं को पूरा करा लिया गया है और

201 परियोजनाओं का कार्य टेण्डर प्रक्रिया के अधीन है। इन 693 परियोजनाओं की स्वीकृत लागत 1820.44 लाख रुपये है, जिसके सापेक्ष 1153.27 लाख रुपये की धनराशि अवमुक्त की गई है। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कार्यदायी संस्थाओं को तय समय में परियोजनाओं का कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही हर स्तर पर पारदर्शिता बरतने के साथ ही उच्च गुणवत्ता तथा समयबद्धता का विशेष ध्यान रखने के लिए कडे निर्देश दिए गए है। जयवीर सिंह ने बताया कि स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष 607.12 लाख रुपये की धनराशि अभी अवशेष है। क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारियों एवं फील्ड में तैनात अन्य अधिकारियों को स्थलीय पर्यवेक्षण करने के निर्देश जारी किये गये हैं। किसी भी निर्माण कार्य में अधोमानक सामग्री का उपयोग पाये जाने पर संबंधित कार्यदायी संस्था के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जाएगी।

जिन संस्थाओं को परियोजनाओं का कार्य दिया गया है, उनमें यूपीपीसीएल, यूपीसीएलडीएफ, यूपीसिडको, राजकीय निर्माण निगम, सीएण्ड डीएस, यूपीआरएनएसएस, यूपीएसटीडीसी, यूपीएवीपी, आरईएस, लोक निर्माण विभाग, ललित कला अकादमी, सिंचाई एवं जलशक्ति, वन विभाग, एडीए, जीडीए तथा वीडीए शामिल हैं।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने क्वीनमेरी में आश्रय पालना स्थल का शुभारंभ किया

लखनऊ(संवाददाता)। शिशुओं को असहाय न छोड़े। यदि शिशु को पालन–पोषण मे दिक्कत है या दूसरी सामाजिक अड़चने आ रही है। तो उन्हें आश्रय पालना स्थल को दे सकते है। शिशु की किलकारी मे ही ईश्वर का आशीर्वाद छिपा है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के क्वीनमेरी हॉस्पिटल मे आश्रय पालन स्थल का शुभारम्भ किया। डिप्टी सीएम ने कहा शिशु का प्यार और दुलार से भविष्य संवारा जा सकता है। किसी भी अनचाहे नवजात शिशु को यू ही कही भी न फेंके। इससे शिशु का जीवन खतरे में पड सकता है। क्वीनमेरी के मुख्य गेट के पास स्थापित आश्रय पालन स्थल मे छोड सकते है। यहॉ से शिशु को उचित देखभाल का मार्ग प्रशस्त होगा। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा आश्रय पालना स्थल का ठीक से संचालन किया जाये। जरूरी संसाधन उपलब्ध कराया जाये। इसके संचालन मे किसी भी तरह की अड्चन नही आने दी जायेगी। सरकार हर संभव प्रदान करेगी। कार्यक्रम मे उप कुलपति डॉ. विनीत शर्मा, क्वीनमेरी की विभाग अध्यक्ष डॉ. एस. पी. जायसवार, योग गुरु देवेंद्र अग्रवाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग, बक्शीपुर, जनपद – गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला –द्वितीय तल, पुष्पांजलि काम्पलेक्स शाही मार्केट, गोलघर,जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।

सम्पादक
शक्ति शंकर

मो0 :- (+91) 7233999001